

11/2/25

जयवल्की (क) को काशी व मणिल 3130।
डा.नेवाडी कं. 22(3), 13 तथा 0-1, 0-10
के मणिल 310। जयवल्की समय के
काशी व मणिल को मरुत नरलीन कर
कावाज लगाई लेकिन कई 350 नकी
कावा, का: काडी का वास काइत पूरवा
काइत काइत के काशीन किप कावाही
जयवल्की कावाल काइत काइत काइत
काइत काइत काइत काइत

(क)

